

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर



पाठ्यक्रम विकास समिति (Syllabus Development Committee)
हिंदी विभाग (Hindi Department) FYUP और एक वर्षीय PG (सेमेस्टर IX और X)

एकेडमिक सत्र से प्रभावी: 2026-27

द्वारा तैयार और अनुशंसित (Prepared and Recommended by) समिति के नाम एवं हस्ताक्षर

पद (Designation)/ नाम (Name)	हस्ताक्षर
डीन, मानविकी संकाय-प्रो. गौरी शंकर द्विवेदी	
संयोजक - प्रो० ज्योतीश्वर मिश्र	
सदस्य (Member)- प्रो० वंदना मिश्रा	
सदस्य (Member)- प्रो० कुसुम लता	
सदस्य - डॉ० सुचिता वर्मा	
सदस्य - डॉ० अरविन्द कुमार उपाध्याय	
वाह्य सदस्य (Member)- प्रो० श्रद्धा सिंह	
वाह्य सदस्य(Member)- प्रो० प्रत्यूष मिश्र	

द्वारा स्वीकृत -

01- बोर्ड आफ स्टडीज -

02- डीन, मानविकी संकाय- प्रो. गौरी शंकर द्विवेदी

03- रजिस्टार -

स्थान - उत्तर प्रदेश

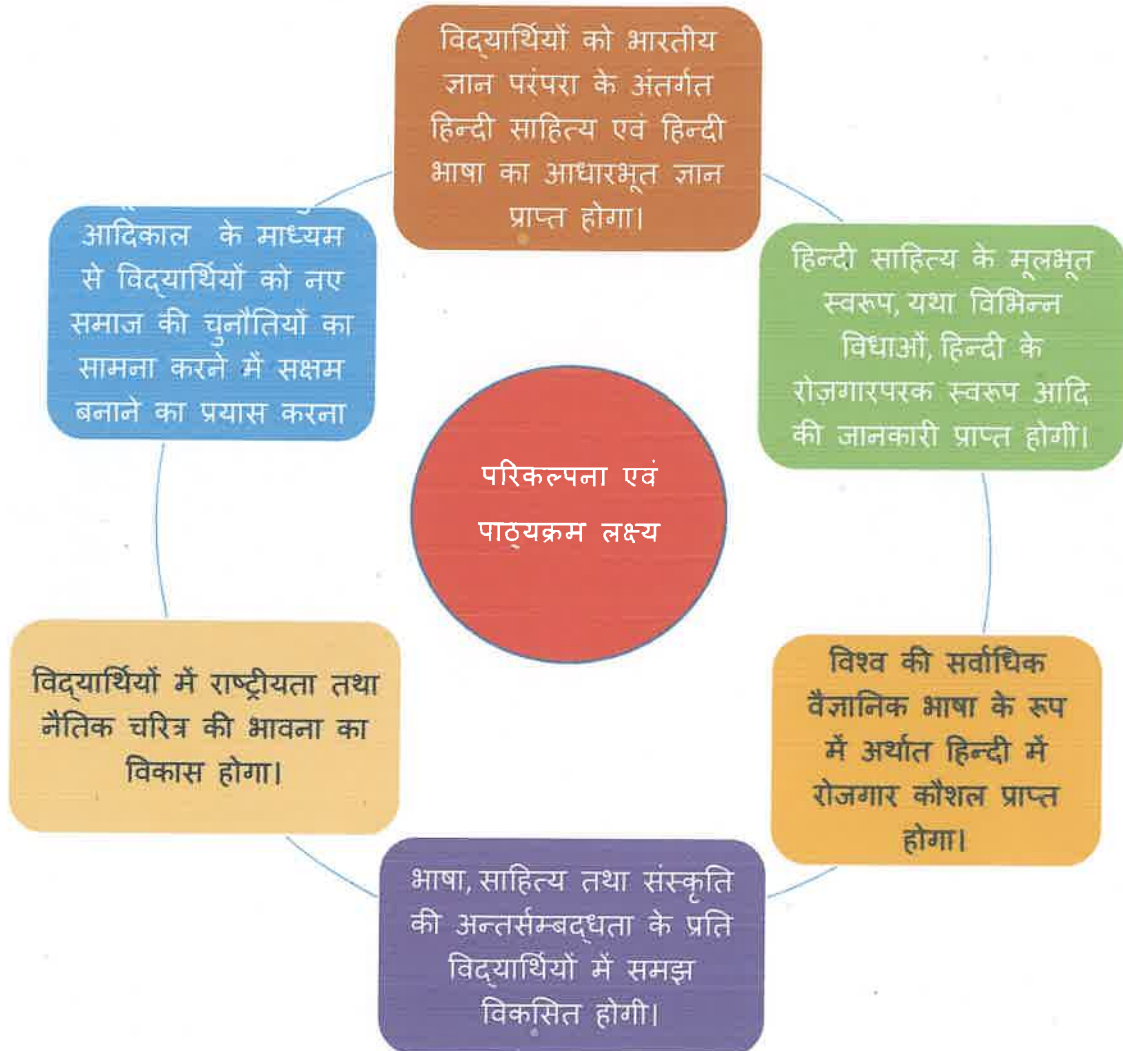
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinhyavasini University, Mirzapur



माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

हिंदी विभाग

स्नातक वर्ग हेतु





माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

हिन्दी विभाग

(नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार)

पाठ्यक्रम संरचना

1- चार वर्षीय स्नातक आनर्स कोर्स					
वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	क्रेडिट्स
बी0 ए0 I वर्ष	I प्रथम	AO10101T	हिंदी काव्य	लिखित	06
	II द्वितीय	AO10201T	कार्यालयी हिंदी एवं हिंदी कंप्यूटर	लिखित	06
बी0 ए0 II द्वितीय वर्ष डिप्लोमा	III तृतीय IV चतुर्थ	Minor H. M.	हिंदी संरचना एवं अनुप्रयोग	लिखित	06
		AO10301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
		AO10401T	हिंदी अनुवाद	लिखित	06
		Minor H. M.	हिंदी संवैधानिक स्वरूप एवं भाषा विमर्श के नए क्षेत्र	लिखित	06
		AO10401RT	रिसर्च प्रोजेक्ट	लिखित	03
बी0 ए0 III वर्ष उपाधि	V पंचम	AO10501T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
	V पंचम	AO10502T	साहित्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना	लिखित	05
	VI षष्ठम	AO10601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
	VI षष्ठम	AO10602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति एवं रिसर्च प्रोजेक्ट	लिखित	05 05
नोट: 1- सेमेस्टर IV (चौथे सेमेस्टर) में छात्रों को अपनी पसंद के किसी एक मुख्य विषय (Major Subject) में 3 क्रेडिट का रिसर्च/शोध कार्य जमा करना होगा। 2- 3 वर्ष का UG (स्नातक) कार्यक्रम पूरा करने के बाद छात्र अपनी पसंद का कोई एक Major Subject चुनकर उसी विषय में 4 वर्ष का UG Honours Programme जारी रख सकते हैं। 3- जिन छात्रों के 3 वर्षीय UG कार्यक्रम में 75% या उससे अधिक अंक होंगे, वे UG Honours with Research के लिए पात्र होंगे। 4- जो छात्र UG Honours with Research चुनेंगे, उन्हें सेमेस्टर VII और VIII में मिलाकर/निर्धारित रूप से 4 क्रेडिट का Research Project (100 अंक) जमा करना होगा।					

Shivadi
Dean

Faculty of Humanities
Maandhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

➤ बी. ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के 'हिन्दी काव्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

➤ बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के 'कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर' प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।

➤ बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के 'हिन्दी गद्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

➤ बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के 'हिन्दी अनुवाद' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

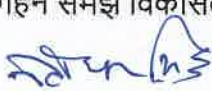
➤ बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना' के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय-क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना।

➤ बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य' के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

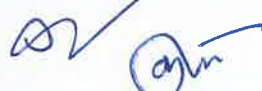



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

- > बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि' के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- > बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति' के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- > बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'हिंदी भाषा और साहित्य का आरम्भ' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की उत्पत्ति तथा हिंदी साहित्येतिहास के विभिन्न कालखंडों में उसकी विकासयात्रा के विषय में जानकारी देना। आधुनिक काल में मानक हिंदी के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य समझाना।
- > बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'आदिकाल: इतिहास और साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी साहित्येतिहास के आदिकाल की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना, आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण तथा विविध भाषा-रूपों से परिचित कराना तथा इस काल की प्रमुख काव्यधाराओं, कवियों और रचनाओं की समझ विकसित करना।
- > बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन: परंपरा और दृष्टि' के अंतर्गत साहित्य के परिप्रेक्ष्य में इतिहास तथा इतिहास-दर्शन की विद्यार्थियों की समझ विकसित करना, इतिहास-दर्शन के विभिन्न सिद्धांतों से उनका परिचय कराना तथा हिंदी साहित्येतिहास लेखन में काल-विभाजन, नामकरण आदि के विषय में जानकारी देना।
- > बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र 'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र' के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्राचीन काल से लेकर अद्यतन भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन-परंपरा की जानकारी देना तथा उन्हें रस, अलंकार, ध्वनि आदि प्रमुख सिद्धांतों से परिचित कराना। इसी प्रकार ग्रीक सभ्यता के युग से लेकर अद्यतन प्रमुख पाश्चात्य काव्य-सिद्धांतों और चिंतकों के विषय में विद्यार्थियों की जानकारी और समझ विकसित करना।
- > बीए चतुर्थ वर्ष सप्तम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी सिनेमा' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी सिनेमा के ऐतिहासिक विकास के सम्बन्ध में जानकारी देना, हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त होने वाले भाषा के विविध रूपों और युक्तियों से उन्हें परिचित कराते हुए इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने की व्यावहारिक क्षमता का उनमें विकास करना।
- > बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) : इतिहास और साहित्य' के अंतर्गत भक्ति काव्य के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक पक्षों से विद्यार्थियों का परिचय कराना; हिंदी साहित्य में भक्तिकाल के उद्भव और विकास के विविध पक्षों की जानकारी देना तथा कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास और मीराबाई जैसे प्रमुख भक्त कवियों की प्रतिनिधि रचनाओं की व्याख्या और विश्लेषण करते हुए भक्तिकाव्य की गहन समझ विकसित करना।




Dean



- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'उत्तर मध्य काल (रीतिकाल): इतिहास और साहित्य' के अंतर्गत रीतिकाल की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि को समझाते हुए इसके उद्भव और विकास से विद्यार्थियों का गहन परिचय कराना। केशवदास, बिहारीलाल, भूषण और घनानंद जैसे प्रतिनिधि रीतिकालीन कवियों के रचना-संसार का अनावरण और अवगाहन करना।
- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'भाषा-विज्ञान और भाषा-अध्ययन के नये क्षेत्र' के अंतर्गत विद्यार्थियों का भाषा की उत्पत्ति और विभिन्न भाषा-परिवारों से परिचय कराना। ध्वनि, वाक्य, अर्थ और व्याकरणिक कोटियों जैसे भाषा के मूल तत्वों की समझ उनमें विकसित करना। हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ ही इसकी संवैधानिक स्थिति और मानकीकरण की स्पष्ट जानकारी देना।
- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-अ), 'तुलनात्मक साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्त्व समझाना तथा कन्नड़, मलयालम, बांग्ला और मराठी की चयनित रचनाओं के माध्यम से अन्य भाषाओं के सापेक्ष हिंदी भाषा और साहित्य की स्थिति को समझाना।
- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-ब), 'अवधी साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की विशिष्ट और समृद्ध बोली अवधी के भाषिक और साहित्यिक इतिहास की जानकारी देना। अवधी के आधुनिक चर्चिता साहित्यकारों की रचनाओं के माध्यम से अवधी क्षेत्र की भाषिक और सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान कराना।
- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-स), 'भोजपुरी साहित्य' के अंतर्गत पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की प्रमुख स्थानीय बोली भोजपुरी के भाषिक और साहित्यिक स्वरूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना। चयनित रचनाओं के माध्यम से भोजपुरी लोक की चित्तवृत्ति और आकांक्षाओं को समझाना।
- बीए चतुर्थ वर्ष अष्टम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-द), 'अनुवाद विज्ञान' के अंतर्गत अनुवाद के स्वरूप, प्रक्रिया और महत्त्व की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को देना, साहित्यिक और ज्ञान-विज्ञान के विविध क्षेत्रों के अनुवाद-कार्य में विद्यार्थियों को निपुण बनाकर इस क्षेत्र में उनके लिए रोजगार की सम्भावनाओं को सबल बनाना।
- बीए अष्टम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम, पटकथा और विज्ञापन लेखन' के अंतर्गत विद्यार्थियों में हिंदी पत्रकारिता, परम्परागत और आधुनिक जनसंचार माध्यमों तथा विज्ञापन और पटकथा लेखन के विषय में समझ विकसित करना तथा उन्हें इस जानकारी का रोजगारोन्मुख कौशल के रूप में प्रयोग करने में सक्षम बनाना।




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

सामान्य निर्देश

सतत आंतरिक मूल्यांकन हेतु सामान्य निर्देश - उपरोक्त समस्त प्रश्न पत्रों में रिसर्च प्रोजेक्ट/ लघु शोध कार्य को छोड़कर मुख्य परीक्षा के पूर्णांक 75 अंक तथा आंतरिक परीक्षा के 25 अंक होंगे। सतत आंतरिक परीक्षा (मिड टर्म परीक्षा) के मूल्यांकन हेतु अंकों का विभाजन निम्न लिखित होंगे -

दक्षता परीक्षण, समूह कार्य (कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर) परियोजना कार्य वाचन इत्यादि के लिए निर्धारित अंक कुल अंक 25	परियोजना कार्य	10 अंक
	प्रस्तुतिकरण हेतु	05
	क्विज़ के लिए	05
	उपस्थिति के लिए	05
		कुल अंक- 25




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITTE: हिन्दी काव्य	
Course outcomes: हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।		
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास: भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य,नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य। भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण,भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार,निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद	12

Shinde
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinhyavasini University, Mirzapur

	(रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति, प्रमुख कवि और उनका काव्य।	
II	आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास : सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	आदिकालीन कवि : विद्यापति : (विद्यापति पदावली - संपा. : आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग. राधा प्रेम - (36) गोरखनाथ : (गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थवाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) अमीर खुसरो : (अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली - घ (1), गीत-इ (4), (13), दोहे - च (पृष्ठ 86), 05 दोहे - गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी।	10
IV	भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास : (भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28 से 41	11
V	भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर :	10

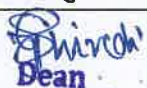
Dean

	(कबीरदास - संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20 ख- बिरह कौ अंग – 04, 10, 12, 20 मलिक मोहम्मद जायसी : (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड (01से 06पद तक)	
VI	रीतिकालीन कवि: केशवदास : (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश) - लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव – 1, 2, 4, 5 बिहारीलाल : (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे घनानंद : (घनानंद ग्रन्थावली-संपा., विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7	11
VII	आधुनिककालीन कवि : भारतेंदु हरिश्चंद्र :मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे जयशंकर प्रसाद :कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :वर दे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पन्त :मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि महादेवी वर्मा :बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हूँ प्राण मेरे	12
VIII	छायावादोत्तर कवि अज्ञेय :नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की	12

मुक्तिबोध :विचार आते हैं, भूल गलती नागार्जुन :अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है धूमिल: मोचीराम, रोटी और संसद	
---	--

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. सिंह, नामवर आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
11. भट्टनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली, 1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965


Dean

21. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
22. वाजपेयी नन्ददुलारे, सूर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
23. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
24. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
25. सिन्हा डॉ. अरविन्द नारायण, विद्यापति : युग और साहित्य , विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
26. डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
27. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
28. त्रिगुणायत गोविन्द, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर
29. उपाध्याय विशम्भर नाथ, सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
30. किशोरीलाल, घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
31. भटनागर रामरतन, केशवदास : एक अध्ययन, किताब महल , इलाहाबाद, 1947
32. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदास : जीवनी , कला और कृतित्व, भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली, 1961
33. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी क्व अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
34. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग-2, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1981, द्वितीय संस्करण
35. गौड़, राजेंद्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एंड संस, आगरा, 1953
36. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
37. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1970
38. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
39. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
40. शर्मा, रमेश, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
41. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
42. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
43. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन का रचना संसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड, 1982
44. अष्टेकर, कटघरे का कवि धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
45. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
46. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
47. सिंह, शम्भूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
48. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
49. सिंह, डॉ उदय प्रताप, नाथपंथ और गोरखबानी, आर्यवर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली


Dean

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

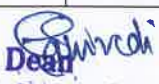
Shivendra
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinhyavasini University, Mirzapur

Shivendra

Shivendra

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE		BA I YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi			
COURSE CODE A010201T		COURSE TITTE: कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	
Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सके एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें।			
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33	
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र : कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी		11
II	कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली : शब्दावली निर्माण के सिद्धांत		11


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	
III	कार्यालयी हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV	प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन : प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V	हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम : कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	11
VI	हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी : इन्टरनेट और हिन्दी, ई मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11


Dean

VII	हिन्दी भाषा और ई शिक्षण : इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएँ	11
VIII	हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	12

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठशाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली

Signature
Dean

Signature

Signature

14. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली
16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

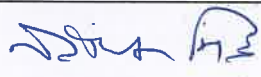
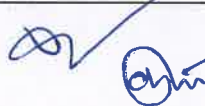
Suggested Continuous Evaluation Methods:

कार्यालय की कार्यविधि का कार्यालयों में जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाइपिंग, पीपीटी एवं पोस्टर बनाना

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	SEMESTER: III
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010301T	COURSE TITTE: हिन्दी गद्य	
Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।		
CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास	12
II	हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय : कहानी	12


Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	उपन्यास नाटक एकांकी निबंध यात्रा वृत्तान्त संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी	
III	हिन्दी उपन्यास : महाभोज - मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली	11
IV	हिन्दी कहानी पंच परमेश्वर - प्रेमचन्द पाजेब - जैनेन्द्र गैंग्रीन - अज्ञेय परदा- यशपाल तीसरी कसम - रेणु पिता - ज्ञान रंजन	11
V	हिन्दी नाटक एवं एकांकी : नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद एकांकी : दीपदान - डॉ रामकुमार वर्मा लक्ष्मी का स्वागत - उपेंद्रनाथ अशक	11

VI	हिन्दी निबन्ध : भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मित्रता - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल - हजारीप्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास - कुबेरनाथ राय तुम चन्दन हम पानी-डॉ. विद्यानिवास मिश्र	11
VII	अन्य गद्य विधाएं - प्रथम खण्ड : रेखाचित्र (गिल्लू- महादेवी वर्मा) संस्मरण - रजिया (माटी की मूरतें) - रामवृक्ष बेनीपुरी जीवनी - कलम का सिपाही (अमृत राय) चयनित अंश - कर मुँह धो गुड़ जरूरी था पृ 17- 21, लोकभारती प्रकाशन ,प्रयागराज रिपोर्ताज-(रेणु - ऋणजल धनजल) चयनित अंश- जो बोले सो निहाल, पृ 34, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली	11
VIII	अन्य गद्य विधाएं - द्वितीय खण्ड : यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा - राहुल सांकृत्यायन) चयनित अंश - ल्हासा से उत्तर की ओर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज आत्मकथा- (अपनी खबर - पांडेय बेचन शर्मा उग्र) चयनित अंश - चुनार, पृ 38- 51, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली	11

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. तिवारी. रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975
8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
9. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत : ई पुस्तकालय


Dean

10. हरिश्चंद्र भारतेन्दु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण, 1951
13. ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
14. रस्तोगी गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
15. ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
16. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
18. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
19. कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
20. महेंद्र, डॉ. रामचरण, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिन्दी एकांकी, उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

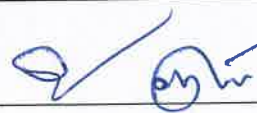
1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
2. वाचन

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


Dean

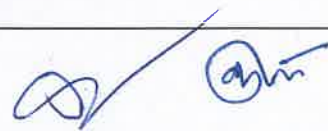




PROGRAMME /CLASS DIPLOMA		BA II YEAR	SEMESTER: IV
Subject: Hindi			
COURSE CODE A010401T		COURSE TITTE: हिन्दी अनुवाद	
Course outcomes: विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना।			
CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33	
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद : परिभाषा , स्वरूप अनुवाद का महत्व अनुवाद के अन्य रूप : लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण,दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं		11
II	अनुवाद के क्षेत्र : प्रक्रिया		11

	प्रकार सीमाएँ अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	
III	अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ : संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV	अनुवाद के साधन : अनुवाद में कोश का महत्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग	11
V	पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11
VI	अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा :	11


Dean



	पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	
VII	अनुवाद सैद्धांतिकी- एक : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	अनुवाद सैद्धांतिकी- दो : सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद - निम्नलिखित अंग्रेजी की साहित्यिक रचनाओं का हिंदी अनुवाद - 1. Civilization - C.E.M. Joad 2, Why I Write - George Orwell 3. Stopping By Wood On A Snowy Evening - Robert Frost 4. The Last Leaf - O Henry	12

संदर्भ ग्रन्थ -

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचंद एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचीपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999


Dean







17. <https://shabdavali.rbi.org.in/> (बैंकिंग शब्दावली)
18. <https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary> (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोश)
19. <https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi/> (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. <https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/us/> (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma.

सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित

Suggested equivalent online courses:

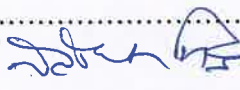
.....

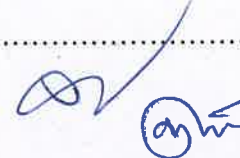
Further Suggestions:

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

.....


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur





PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010501T	COURSE TITTE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	
Course outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय - क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे		
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप काव्य की आत्मा	09
II	भारतीय काव्य सिद्धांत: अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत	09

	ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	
III	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष	09
IV	नाट्यशास्त्र : भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएं	09
V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धांत टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI	हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वच्छन्दतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविक्षेपणवादी आलोचना	10
VII	समीक्षाकी विचारधाराएँ : नयी समीक्षा	10


Dean

	नवशास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद विम्बवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद	
VIII	आलोचक एवं आलोचना दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य - नई मान्यताएं डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10
सन्दर्भ ग्रन्थ: 1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002 2. नवल, नंदकिशोर, हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981 3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1987 4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988 5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992 7. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010 8. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली,		

2007

9. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

पुस्तक समीक्षा

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur





PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010502T	COURSE TITTE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	
Course outcomes: हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना।		
CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य : चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज, जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां----- ----भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे ----- लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य : गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो,	09

	भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखैं	
III	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेंदु हरिश्चंद्र : उन्नतचित्तहवैआर्य परस्पर प्रीत बढावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि	09
IV	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है रामधारी सिंह 'दिनकर' : शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' : झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण : श्यामनारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बड़े चलो गोपालप्रसाद व्यास : खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण : सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग	10

	में) अटलबिहारी वाजपेयी :कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	
VIII	हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य: कवि प्रदीप:आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत-1943) कवि प्रदीप:ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (शैर फ़िल्मी) कवि प्रदीप:हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति-1954) कवि प्रदीप:आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की (जाग्रति- 1954) साहिर लुधियानवी: ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957) प्रेम धवन :छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी- 1961) नीरज :ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961) कैफ़ी आज़मी:कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत-1964) राजेन्द्र कृष्ण: जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फ़िल्म- सिकंदर-आज़म-1965) गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार : 1967) इन्दीवर: है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम-1971) प्रसून जोशी: देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फ़ना-2006)	10
सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) : सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा- आनंदमठ हकीकत उपकार		

Shivadi
Dean

शहीद

गाँधी

उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक

केसरी

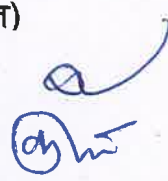
सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत् 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन1906.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुन्दरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत् 2010 वि .
10. ब्रजराज दास, भारतेन्दु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर(संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014
16. अरुण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020
17. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
18. kavitaakosh.org
19. epustakalay.com
20. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India)
21. hindigeetmala.net


Dean

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


Dean
Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER :VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010607T	COURSE TITTE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	
Course outcomes: भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।		
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lecture s
I	भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय : भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	08
II	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि शब्द रूप वाक्य	12


Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	अर्थ	
III	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
IV	हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत : भारतीय तथा विदेशी स्रोत। तत्सम, अर्द्धतत्सम, तद्भव, देशज, अन्य भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के शब्द, संकर शब्द	08
V	हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	09
VI	हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VII	देवनागरी लिपि : नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन : अवधी बोली का विकास क्रम अवधी बोली का साहित्यिक विकास	09

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा आचार्य देवेन्द्रनाथ , भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंजन यी दिल्ली, 1972
 2. द्विवेदी कपिलदेव , भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
 3. शर्मा डॉ. रामकिशोर , हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
 4. तिवारी भोलानाथ , हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
 5. त्रिपाठी सत्यनारायण , हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
 6. शर्मा राजमणि , हिन्दी भाषा: इतिहास एवं स्वरूप , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
 7. तिवारी भोलानाथ , भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
 8. वर्मा डॉ. धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
 9. बाहरीहरदेव., हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017
- बाहरीहरदेव , हिन्दी उद्भव, विकास और रूप , किताबमहल , इलाहाबाद, 42वाँ संस्करण, 2018

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation Methods:

कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	SEMESTER : VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010602T	COURSE TITTE: लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	
Course outcomes: भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।		
CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 33
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	लोक साहित्यका सामान्य परिचय : लोक साहित्य : परिभाषा ,क्षेत्र ,वर्गीकरण,	09
II	लोक साहित्यऔर शिष्ट साहित्य : लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण,लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य संकलन,संरक्षण एवं संवर्द्धन,राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।	09
V	लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक गीत ,लोक गाथा ,लोक कथा ,लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09

VI	लोक का प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्व	08
VII	हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम : हिंदी का लोक साहित्य, इतिहास: अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	पूर्वांचल (पूर्वी उत्तर प्रदेश) का लोक-साहित्य : अवधी एवं भोजपुरी लोक-साहित्य। लावनी, कजरी, सोहर, आल्हा, बिरहा, चइती, फाग, पचरा, निर्गुण, नौटंकी, रामलीला।	12

Suggested Readings:

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत् 2010
6. मिश्र, प्रो. चित्तरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
11. तिवारी, रामनारायण, अवधी भाषा और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
12. पांडेय, रामशरण, अवधी लोकगीत: एक अध्ययन, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियाँ, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।


Dean

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण]

Suggested Continuous Evaluation Methods:

1. कृति विशेष का भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
2. वाचन

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


Dean

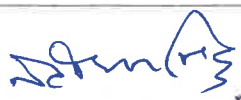
Faculty of Humanities
Maa Vinhyavasini University, Mirzapur





2- बी0 ए0: चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम आनर्स कोर्स / एम.ए. प्रथम वर्ष

वर्ष	सेमेस्टर	श्रेणी/ कोर्स का प्रकार	कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	क्रेडिट्स
चार वर्षीय स्नातक आनर्स कोर्स / स्नातकोत्तर I वर्ष	VII सप्तम / एम.ए. I	मेजर अनिवार्य	AO10701 T	प्रश्न पत्र 01- हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	04
			AO10702 T	प्रश्न पत्र 02- आदिकाल : इतिहास और साहित्य	04
			AO10703 T	प्रश्न पत्र 03- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन: परंपरा और दृष्टि	04
			AO10704 T	प्रश्न पत्र 04-- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04
			AO10705 T	प्रश्न पत्र 05- हिंदी सिनेमा	04
कुल क्रेडिट्स-20					
चार वर्षीय स्नातक आनर्स कोर्स / स्नातकोत्तर I वर्ष	VIII अष्टम / एम.ए. II	मेजर अनिवार्य	AO10801T	प्रश्नपत्र 01- पूर्व मध्यकाल, (भक्तिकाल) एवं रीति काल): इतिहास एवं साहित्य ।	04
			AO10802T	प्रश्न पत्र 02- उत्तर मध्यकाल (रीति काल): इतिहास एवं साहित्य	04
			AO10803 T	प्रश्नपत्र 03- भाषा विज्ञान एवं भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	04
			AO10804T	प्रश्न पत्र 04- तुलनात्मक साहित्य, अवधी साहित्य, भोजपुरी साहित्य, लोक साहित्य और अनुवाद विज्ञान में से कोई एक प्रश्न पत्र	04
			AO10805 T	प्रश्न पत्र 05- हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम, पटकथा और विज्ञापन लेखन	04
कुल क्रेडिट्स-20					

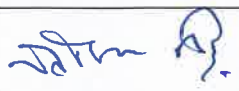


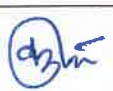

Dean



Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010701T	COURSE TITLE: हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पत्र के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य के आरम्भ के विभिन्न स्रोतों, मान्यताओं, रचानात्मक परिदृश्य की समझ हासिल की जाएगी। साथ ही विभिन्न संज्ञाओं के जन्म की कहानी, उनके अर्थसंकोच और अर्थविस्तार के कारकों की भी पहचान की जाएगी। अपभ्रंश, अवहट्ट, मैथिली, दक्खिनी हिन्दी आदि के आरम्भिक सृजन संसार और भाषा निर्माण की प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। हिन्दी क्षेत्रों की विभिन्न भाषाओं/उपभाषाओं का अध्ययन भी इस पत्र में प्रस्तावित है।		
1. इकाई 1 हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति सम्बन्धी मतों को जानना, हिन्दी के विविध रूपों की पहचान एवं उसकी विकास यात्रा को समझना, हिन्दी क्षेत्रों की विविध उपभाषाओं की जानकारी। 2. इकाई 2 हिन्दी भाषा के विकास को विभिन्न साहित्येतिहास कालखंडों के आईने में परखना, खड़ी बोली के विभिन्न रूपों को विचारकों की दृष्टि से समझना। 3. इकाई 3 हिन्दी साहित्य के आरम्भ को अपभ्रंश के उत्तरवर्ती दौर से, सिद्धों-नाथों एवं लौकिक साहित्य यात्रा के माध्यम से समझना। 4. इकाई 4 खड़ी बोली के स्वरूप को फोर्ट विलियम कॉलेज से आधुनिक काल तक समझना।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी भाषा I	15



Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	हिन्दी शब्द का अर्थ, हिन्दी की अवधारणा, अपभ्रंश एवं आधुनिक भाषाएँ / उपभाषाएँ, हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, हिन्दी क्षेत्र: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, पहाड़ी, बिहारी, दक्खिनी हिन्दी: क्षेत्र और विकासक्रम, भाषा रूप: हिन्दी, हिन्दुई, हिन्दुस्तानी, उर्दू।	
II	हिन्दी भाषा II हिन्दी भाषा का विकास: आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, हिन्दी अस्मिता सम्बन्धी विभिन्न मता। भारतेंदु हरिश्चन्द्र, लक्ष्मण सिंह, राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद, द्विवेदी युग एवं हिन्दी भाषा का स्वरूप।	15
III	हिन्दी साहित्य का आरंभ I उत्तर अपभ्रंश, अवहट्ट एवं पुरानी हिन्दी सम्बन्धी स्थापनाएँ और हिन्दी साहित्य का आरम्भ, प्रथम कवि और प्रथम रचना, अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त परिचय, अपभ्रंश का जैन साहित्य और रचनाओं का वर्गीकरण, नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, लौकिक साहित्य एवं उनकी विशेषताएँ।	15
IV	हिन्दी साहित्य का आरंभ II फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी, हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में विभिन्न विद्वानों/विचारकों की मान्यताएँ: गार्सा द तांसी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, जॉर्ज ग्रियर्सन, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महात्मा गांधी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, हजारीप्रसाद द्विवेदी।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मी सागर वाष्णीय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय, प्र० लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्री कृष्णलाल, प्र० हिन्दी परिषद प्रयाग।	

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Signature]

[Signature]
Dean

[Signature]

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010702T		COURSE TITLE: आदिकाल: इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियाँ, भाषा रूपों का अध्ययन अपेक्षित है। साथ ही भविष्य के हिन्दी साहित्य और संस्कृति की पीठिका की समझ का निर्माण भी होगा। कतिपय चयनित अंशों के माध्यम से आदिकालीन रचना परिदृश्य को समझने का प्रयास होगा।			
1. इकाई 1 आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण, भाषा रूप आदि को समझना।			
2. इकाई 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करना।			
3. इकाई 3 आदिकाल की पृष्ठभूमि को रासो, लौकिक साहित्य और अमीर खुसरो की दृष्टि से समझना।			
4. इकाई 4 सरहपा, चंदबरदाई, विद्यापति, और खुसरो की कविता के चयनित अंशों की समझ प्राप्त करना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	आदिकाल की पृष्ठभूमि I आदिकाल: नामकरण सम्बन्धी विचार एवं काल निर्धारण, परिवेश, राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, आदिकालीन भाषा रूप ।		15
II	आदिकाल की पृष्ठभूमि II अपभ्रंश साहित्य: पृष्ठभूमि और प्रभाव, आदिकाल की उपलब्ध सामग्री. प्रमाणिकता, ग्रहण और त्याग का सन्दर्भ, सिद्ध साहित्य और जैन साहित्य ।		15

Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

III	आदिकाल की पृष्ठभूमि III रासो साहित्य, पृथ्वीराज रासो- विभिन्न संस्करण, प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता के लिए तर्क, काव्योत्कर्ष, अमीर खुसरो, विद्यापति, लौकिक साहित्य और उसकी विशेषताएँ।	15
IV	चयनित अंश इस युनिट में निर्धारित पद्यांश की व्याख्या और काव्य सौन्दर्य का उद्घाटन अपेक्षित है- 1. सरहपा – हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह में संकलित सरहपा के दस दोहे। 2. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासो – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी। 3. विद्यापति-नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, गीत संख्या 3,4,5,6,9,14,17,20,25,37 और 64 4. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास (मुकरी-156, 160, 162, 168, 175, 184, 185, 188, 197, 204 - दस दोहे) गीत-95, 112, 113, 116, 125, 126 कुल छः गीत।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मी सागर वाष्णीय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय, प्र० लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्री कृष्णलाल, प्र० हिन्दी परिषद प्रयाग। 10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं० डॉ० नगेन्द्र। 11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ० जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना० प्र० सभा, वाराणसी। 12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।	

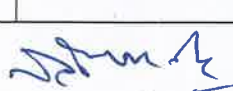
[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

[Signature]

	13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 14. कीर्तिलता और अवहट्ट - शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 16. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद। 17. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 18. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 19. चन्दबरदाई. पृथ्वीराज रासउ - संयोगिता परिणयए माताप्रसाद गुप्तए साहित्य सदनए चिरगांवए झांसीछ 20. विद्यापति - नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशनए नई दिल्ली। 21. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक - ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MAI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010703T	COURSE TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन: परम्परा और दृष्टि	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :		
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन संबंधी विभिन्न दृष्टियाँ रही हैं। इस पत्र के माध्यम से इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास की परंपरा, काल विभाजन एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन किया जायेगा। पत्र का उद्देश्य विभिन्न दृष्टियों की स्पष्ट समझ का निर्माण करना है।		
1. इकाई 1 इतिहास दर्शन को साहित्य के अलोक में समझना।		
2. इकाई 2 इतिहास लेखन परम्परा में नामकरण, काल विभाजन आदि को जानना।		
3. इकाई 3 साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों को समझना।		
4. इकाई 4 साहित्येतिहास दर्शन के अन्य प्रमुख सिद्धान्तों को समझना।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	इतिहास लेखन परंपरा - I इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप, इतिहास दर्शन, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचना।	15
II	इतिहास लेखन परंपरा - II हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास के आधार, काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।	15
III	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - I विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।	15

[Signature]

[Signature]
Dean

[Signature] *[Signature]*

Faculty of Humanities
Maa Vaidhyasini University, Mirzapur

IV	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त – II इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी एवं एल0जी0बी0टी0 के संदर्भ	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-एक), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद 8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली 11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	

[Signature]

[Signature]
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vidhyarasi University, Mirzapur

[Signature] *[Signature]*

Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
--	--

[Signature]

[Signature]

[Signature]

Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayabai University, Mirzapur

[Signature]

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010704T		COURSE TITLE: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय ज्ञान परंपरा के काव्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित होंगे।			
2. इकाई 2 भारतीय काव्यशास्त्र के ध्वनी, वक्रोक्ति, औचित्य आदि सिद्धांतों से परिचय प्राप्त करेंगे।			
3. इकाई 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की व्यापक समझ बनेगी।			
4. इकाई 4 पाश्चात्य दार्शनिकों के दर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र – I ● काव्य लक्षण ● काव्य हेतु ● काव्य प्रयोजन ● काव्य के प्रकार रस सिद्धांत ● रस सिद्धांत ● रस का स्वरूप ● रस निष्पत्ति ● रस के अंग ● साधारणीकरण		15

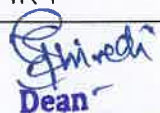
[Signature]

[Signature]
Dean -

[Signature] *[Signature]*

	● सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत ● मूल स्थापनाएं ● अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्धांत ● रीति की अवधारणा ● काव्य गुण ● रीति एवं शैली ● रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं	
II	भारतीय काव्यशास्त्र – II वक्रोक्ति सिद्धांत ● वक्रोक्ति की अवधारणा ● वक्रोक्ति के भेद ● वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ध्वनि सिद्धांत ● ध्वनि का स्वरूप ● ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं ● ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद ● गुणीभूत व्यंग्य ● चित्र काव्य औचित्य सिद्धांत ● प्रमुख स्थापनाएं औचित्य के भेद	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – III प्लेटो ● काव्य सिद्धांत अरस्तू ● अनुकरण सिद्धांत ● त्रासदी ● विरेचन लान्जाइनस ● औदात्य की अवधारणा	15




Dean



	ड्राइडन ● काव्य सिद्धांत वर्ड्सवर्थ ● काव्य भाषा का सिद्धांत कोलरिज कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना	
IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – IV ● मौथ्यु ओर्नाल्ड ● आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य टी.एस.इलियट ● परम्परा की परिकल्पना और वैक्तिक प्रज्ञा ● निवैक्तिकता का सिद्धांत ● वस्तुनिष्ठ समीकरण आई.ए.रिचर्ड्स ● रागात्मक अर्थ ● सम्बेगों का संतुलन ● सम्प्रेषण सिद्धांत सिद्धांत और वाद ● स्वच्छन्दतावाद ● अभिव्यंजनावाद ● मार्क्सवाद ● मनोविश्लेषणवाद ● अस्तित्ववाद ● उत्तरआधुनिकता अन्य बिंदु ● मिथक ● फंतासी ● कल्पना ● बिम्ब	15

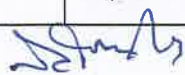
[Signature]

[Signature]
Dean

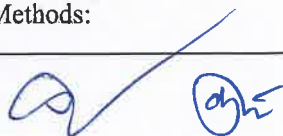
[Signature]

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	● प्रतीक	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ० राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना। 2. समीक्षा दर्शन : डॉ० रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र० इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी। 4. काव्यशास्त्र : डॉ० भगीरथ मिश्र, प्र० विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. रस-विमर्श : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी। 6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी। 7. कविता के प्रतिमान : डॉ० रवीन्द्र भ्रमर। 8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र, प्र० नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश-त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई। 10. साहित्यालोचन : डॉ० श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ० जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ० नगेन्द्र। 14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods:	







	1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Signature]

[Signature]
Dean

[Signature]

Faculty of Humanities
Maa Vinhyavasini University, Mirzapur

[Signature]

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010705T		COURSE TITLE: हिन्दी सिनेमा	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय सिनेमा का इतिहास समझने में मदद मिलेगी।			
2. इकाई 2 भारतीय सिनेमा के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी।			
3. इकाई 3 सिनेमा से जुड़े तमाम शब्दावलियों का गहनता से अध्ययन सुनिश्चित की जाएगी।			
4. इकाई 4 सिनेमा के प्रायोगिक कार्य से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नये मार्ग प्रशस्त होंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	हिन्दी सिनेमा –I ● हिन्दी सिनेमा का आरम्भ ● हिन्दी सिनेमा और दादा साहब फाल्के ● हिन्दी मूक सिनेमा ● हिन्दी सवाक सिनेमा ● भारतीय सिनेमा का अति संक्षिप्त परिचय		15
II	हिन्दी सिनेमा –II ● सन 1947 से 1980 के दौर का हिन्दी सिनेमा (प्रमुख फिल्में – आवारा , दो बीघा ज़मीन, उसने कहा था, मेरा नाम जोकर, मदर इंडिया और शोले) ● सन 1980 से 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – मिस्टर इंडिया, एक डॉक्टर की मौत, चश्मे बंदू, छत्तीस चौरंगी लेन और अंगूर)		15

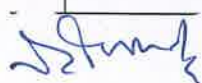
	● सन 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – चक दे इंडिया, द लिजेंड ऑफ़ भगत सिंह, स्लमडॉग मिलियनेयर, मेरी कॉम और दंगल) ● हिंदी सिनेमा : विषय वैविध्य (समसामयिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनितिक पहलू)	
III	हिन्दी सिनेमा –II ● प्रमुख व्यक्तित्व : राजकपूर, श्याम बेनेगल, हृषिकेश मुखर्जी, ओमपुरी, दिलीप कुमार, कै.एल. सहगल, मीना, वहीदा रहमान और स्मिता पाटिल आदि) ● समानांतर सिनेमा ● प्रतिबंधित सिनेमा ● सिनेमाई भाषा का स्वरूप ● सेंसरशिप ● हिंदी सिनेमा :प्रतिरोध और विमर्श ■ स्त्री प्रतिरोध (मंडी, छपाक, लज्जा और मेरी कॉम) ■ दलित प्रश्न (अछूत कन्या और सद्गति) ■ आदिवासी जीवन (माझी : द माउन्टेन मैन, मृगया) ■ बाल सिनेमा (तारे जमीं पर, मासूम, मकड़ी) ● भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी सिनेमा ● डिजिटल सिनेमा का संक्षिप्त परिचय	15
IV	चतुर्थ इकाई में हिंदी सिनेमा से सम्बंधित प्रायोगिक कार्य निर्धारित है - ● किन्ही दो साहित्य आधारित फिल्मों का अध्ययन (काबुलीवाला, उमराव जान, रजनीगंधा, गाइड, तीसरी कसम, श्री इंडियट्स, निशांत, नौकर की कमीज, चरणदास चोर) ● फिल्म समीक्षा ● फिल्म निर्माण और मूल्यांकन (उपलब्ध संसाधन से) ● समसामयिक फीचर फिल्म/डॉक्यूमेंट्री/रिपोर्ट लेखन पर समूह चर्चा ● शोध पत्र/लेख समीक्षा का प्रस्तुतिकरण ● मौखिकी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली	

[Signature]

[Signature]

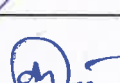
[Signature]

	2. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली 3. विश्व सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ 100 फ़िल्में, राकेश मित्तल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 4. डायरेक्टर्स कट, जावेद हमीद, अतुल्य पब्लिकेशंस, दिल्ली 5. जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 6. हिन्दी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 7. प्रतिरोध और सिनेमा, महेंद्र प्रजापति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 8. जिन्दगी, गुरुदत्त 9. दो गुल्फामों की तीसरी कसम, अनंत कुथौल, कीकट प्रकाशन, पटना 10. बिछड़े सभी बारी-बारी, विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण, विनोद दास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)





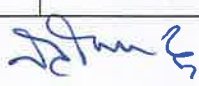




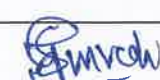
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010801T	COURSE TITLE: पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल): इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :		
1. इकाई 1 क. भक्ति काल के दार्शनिक सामाजिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पक्षों को जानना। ख. भक्ति काल के उद्भव एवं विकास के विभिन्न पक्षों को जानना। ग. भक्ति काल की आरंभिक भारतीय स्वरूप को जानना।		
2. इकाई 2 कबीर काव्य के कतिपय आस्वाद धरातालों से परिचित होना। मलिक मोहम्मद जायसी के पद्मावत के सौंदर्य एवं साहित्य बोध को जानना।		
3. इकाई 3 भ्रमरगीत के दार्शनिक एवं साहित्यिक पीठिका के रचना अंशों को समझना।		
4. इकाई 4 तुलसीदास की प्रतिनिधि रचना रामचरितमानस के कतिपय अंशु से परिचित होना। मीरा के काव्य में कतिपय अंशों से परिचित होना।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	पूर्व मध्यकाल का इतिहास (भक्तिकाल) - सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य - उद्भव और विकास - भक्तिकाल का भूगोल	15
II	कबीर ग्रंथावली - संपादक : श्यामसुन्दर दास, ना0 प्र0 सभा, काशी - गुरुदेव कौ अंग: 1, 20, सुमिरन कौ अंग : 4, 14 , विरह कौ अंग : 12, 24 - ग्यान बिरह कौ अंग : 5, 10, परचा कौ अंग : 3, 5	15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	● पद संख्या 1, 23, 39, 59, 71 (कुल 5 पद) जायसी : पद्मावत : सं. रामचन्द्र शुक्ल : नागमती-वियोग खंड	
III	सूरदास : भ्रमरगीत सार - सं० रामचन्द्र शुक्ल, ना० प्र० सभा, काशी : पद संख्या 2, 5, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 23, 25	15
IV	तुलसीदास : रामचरितमानस : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर : अयोध्या काण्ड से सीता-राम संवाद : (मासपारायण, चौदहवाँ विश्राम से लेकर दोहा संख्या 67 की दौ चौपाइयों तक) मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002 5 पद - मण थें परस हरि रे चरण, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, माई री म्हां लियां गोविदाँ मोल, यें मत बरजां माइरी	15
संदर्भ ग्रन्थ: 12. कबीर : आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 13. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी, सभा 14. त्रिवेणी : सं० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 15. सूर साहित्य : आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 16. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक - डॉ० नगेन्द्र 17. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ 18. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 19. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह 20. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी 21. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा 22. जायसी : विजयदेवनारायण साही 23. महाकवि जायसी और उनका काव्य : इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाशन 24. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र 25. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।		
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण		


Dean

Faculty of Humanities

Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Signature]

[Signature]

[Signature]

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayavasi University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010802T		COURSE TITLE: उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल): इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 रीतिकाल के सामाजिक, राजनैतिक परिदृश्य को समझना, उद्भव और विकास की यात्रा की समझ हासिल करना। 2. इकाई 2 बिहारी और केशवदास के काव्य संसार को समझना। रचना सौंदर्य का उद्घाटन करना। 3. इकाई 3 भूषण के रचना सौंदर्य का उद्घाटन। 4. इकाई 4 घनानंद रचना सौंदर्य का उद्घाटन।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	उत्तर मध्यकाल का इतिहास (रीतिकाल) ● सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य ● उद्भव और विकास		15
II	बिहारी सतसई : बिहारी रत्नाकर , सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005 ई. दोहा संख्या : 1, 9, 20, 38, 55, 85, 135, 171, 191, 207, 300, 406, 428, 588, 658 रामचंद्रिका : केशवदास; केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन 11वाँ प्रकाश - छंद सं 0 1 से 5 तक, 12वाँ प्रकाश - छंद सं 0 1 से 5 तक		15

[Signature]

[Signature]

[Signature]

III	भूषण-ग्रंथावली, प्रधान संपादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी, शरत्पूर्णिमा, संवत् 1993 शिवा बावनी : प्रताप वर्णन, रण-प्रस्थान वर्णन, विजय वर्णन छत्रसाल दशक : पराक्रम वर्णन, दान वर्णन	15
IV	घनानंद कवित्त : सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 10 छंद : छंद सं० 1, 5, 8, 9, 15, 17, 19, 68, 70, 71	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश 2. बिहारी : ओमप्रकाश 3. बिहारी की काव्य सृष्टि : जयप्रकाश 4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्णुनाथप्रसाद मिश्र 5. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना : बच्चन सिंह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 6. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 7. भूषण विमर्ष : भागीरथप्रसाद दीक्षित 8. महाकवि भूषण : भागीरथप्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 9. वीर काव्य : भागीरथप्रसाद दीक्षित 10. घनानंद : एरिस बंका 11. घनानंद (साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ) 12. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र 13. रीतिकाव्य : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन 14. रीतिकाव्य : मूल्यांकन के नये आयाम, सं. डॉ० प्रभाकर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	






	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

[Signature]
[Signature]

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010803T		COURSE TITLE: भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भाषा की उत्पत्ति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे साथ-ही-साथ विभिन्न भाषा परिवार की भाषाओं से भी परिचय प्राप्त करेंगे। 2. इकाई 2 भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि के बारे में व्यापक समझ बनेगी। 3. इकाई 3 हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की विस्तृत जानकारी के साथ ही हम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप के बारे में भी जान सकेंगे। 4. इकाई 4 भाषा की मानकीकरण की व्यापक समझ विकसित होगी।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषोत्पत्ति के विविध सिद्धान्त, भारत में भाषा अध्ययन एवं भाषा विज्ञान की परम्परा । भाषा का वर्गीकरण : पारिवारिक एवं आकृतिमूलक, भारत के विभिन्न भाषा परिवार की विशेषताएँ और हिन्दी ।		15
II	ध्वनि विज्ञान: अर्थ एवं अवधारणा, ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशायेँ, पद विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, अर्थ प्रतीति के साधन अर्थ परिवर्तन के कारण व दिशायेँ, वाक्य विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव, व्याकरणिक कोटियाँ: अभिप्राय एवं उद्देश्य, रूपिम की परिभाषा एवं प्रकार, कोश विज्ञान व शैली विज्ञान का स्वरूप		15

Dean
Faculty of Humanities
Mahavidyalaya, Mirzapur

III	हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी राजभाषा के रूप में हिन्दी की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रभाषा के आवश्यक गुण और हिन्दी, वैश्विक हिन्दी	15
IV	हिन्दी मानकीकरण, समस्या और समाधान, आधुनिक तकनीकी विकास और हिन्दी देवनागरी लिपि के उद्भव, विकास एवं इसकी वैज्ञानिकता	15
संदर्भ ग्रन्थ: 1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली 2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद 3. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद 4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 5. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान-देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 6. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी। 7. भाषा शास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी 8. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 9. हिन्दी - उद्भव, विकास और रूप : डॉ० हरदेव बाहरी 10. भारत की भाषा -समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 11. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 12. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन 13. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा 14. आधुनिक भाषा विज्ञान : राजमणि शर्मा 15. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन 16. संपर्क भाषा हिन्दी : सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।		
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण		
		

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

[Signature]
[Signature]

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/ MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010804TA		COURSE TITLE: तुलनात्मक साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 तुलनात्मक साहित्य के सामाजिक संस्कृतिक महत्व को समझना। 2. इकाई 2 कन्नड़ और हिंदी के उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संस्कृतिक, सामाजिक निर्मितियों संरचनाओं को समझना। 3. इकाई 3 रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अध्ययन में भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना। 4. इकाई 4 मराठी नाट्य विधा के द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति एवं सभ्यता को समझना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	तुलनात्मक साहित्य : अर्थ और अवधारणा, तुलनात्मक भारतीय साहित्य का स्वरूप और विभिन्न स्कूल		15
II	उपन्यास : संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति, (कन्नड़ से अनुदित)		15
III	कविता : रवीन्द्रनाथ टैगौर की 3 कविताएं : भारत तीर्थ, मुक्ति, प्रार्थना (बांग्ला से अनुदित) कहानी : अँधेरे की आत्मा : एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम से अनुदित)		15
IV	नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर, (मराठी से अनुदित)		15
संदर्भ ग्रन्थ: 1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधुरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1983			

[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

[Signature] *[Signature]*

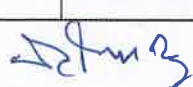
2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य शास्त्र : इतिहास और समीक्षा : (भूमिका) डॉ. भागीरथ मिश्र, लेखक विष्णुदत्त राकेश, साहित्य सदन, देहरादून
4. तुलनात्मक साहित्य : (सं.) डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985.
5. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएँ : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
6. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
7. तुलना और तुलना : डॉ० के० वनजा, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2001
8. तुलनात्मक साहित्य समाकलन : टी० जी० मयंकड, (सं०) डॉ० नगेन्द्र
9. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत उपयोजन, डॉ० आनंद पाटिल, हिन्दी बुक कारपोरेशन, दिल्ली, 2006
10. बाङ्ला साहित्य का इतिहास सुकुमार सेन (अनुवादक) निर्मला जैन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2004.
11. बाङ्ला और उसका साहित्य : श्री हंस कुमार तिवारी, (सं.) क्षेमचन्द्र सुमन, राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली
12. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० सी० एम० योहान्नन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भारतीय साहित्य के निर्माता : शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2008
14. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन : (सं०) डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा से प्रकाशित, 1966
15. भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत साहित्यकार : (सं०) डॉ० आरसु, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
16. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा : डॉ० सुरेन्द्र एस. बारलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ
17. The criticism of comparison, contemporary criticism (सं०) मैलकॉक ब्रैडवरी, डेविड पामर
18. तौलनिक साहित्याभ्यास : बसंत बापट, मौज प्रकाशन, मुंबई, 1990
19. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी साहित्य : सरोकार और साक्षात्कार : डॉ० आरसु, परमेश्वरी प्रकाशन (किताबघर प्रकाशन का उपक्रम), दिल्ली
21. इस्पातिका : भारतीय उपन्यास विषेशांक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

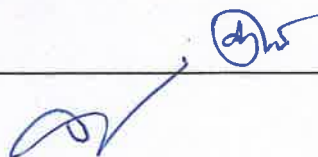
Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण




Dean

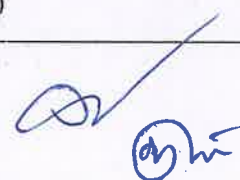
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)




Dean



Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010804TB		COURSE TITLE: अवधी साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
इस प्रश्न के माध्यम से अवधी भाषा और साहित्य से छात्र परिचित हो सकेंगे! अवधी भाषा और साहित्य का विस्तार क्षेत्र हिंदी भाषा क्षेत्र में समाहित है। हिंदी की संरचना को अवधी ने किस तरह प्रभावित किया है, जिज्ञासा का समाहार प्रस्तुत करना भी प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। अवधी क्षेत्र के संस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैचारिक स्वर को पहचानने के साथ- साथ प्रतिरोध की साझी वैचारिकी से भी पाठक परिचित होंगे। अवधी साहित्य में उपस्थित लोक, विषय वैविध्य और भाषिक प्रयोग के कारण अवधी को मध्यकाल की विशिष्ट भाषा और साहित्य का दर्जा दिया गया। कालांतर में अवधी भाषा की विकास यात्रा का आधुनिक स्वरूप नई चुनौतियों को किस प्रकार स्वर प्रदान कर रहा है के उद्देश्य की पूर्ति हेतु कोर्स का निर्धारण किया गया है। अवधी भाषा और साहित्य की हिंदी के साथ सहजीविता के वास्तविक स्वरूप की प्रस्तुति भी इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। - इकाई 1 अवधी की भाषिक अस्मिता और साहित्यिक अवदान से परिचित होंगे। - इकाई 2 काव्य प्रस्तुतियों के अवधी संस्करण की आधुनिक ध्वनियों से परिचित हो सकेंगे। - इकाई 3 किस्सागोई के अवधी लोक से कहानी तक की यात्रा में उपस्थित जीवन मूल्यों को जान पाएंगे। - इकाई 4 अवधी का विस्तृत लोक जीवनानुभवों का ज्ञान भंडार है, से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	अवधी साहित्य का इतिहास		15
II	पद्य १- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' कविता: बिटउनी सन्दर्भ-ग्रंथ - पढ़ीस ग्रंथावली (सं. - रामविलास शर्मा) प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ		15

२- वंशीधर शुक्ल कविता: राजा की कोठी सन्दर्भ-ग्रंथ - वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुन्दर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ३- गुरुप्रसाद सिंह 'मृगेश' कविता: उजरि बदरवा मानी हूँगे सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं. - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ४- चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' कविता: परबसता सन्दर्भ-ग्रंथ - बौछार प्रकाशन - ग्राम साहित्य मंदिर, लखनऊ ५- त्रिलोचन शास्त्री कविता: बरवै (परिशिष्ट के आरंभिक बीस बरवै) सन्दर्भ-ग्रंथ - अमोला की किसुली (सं. - अष्टभुजा शुक्ल) प्रकाशन - नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली ६- माता प्रसाद 'मितई' कविता: विदेसिया - पंचायत से अपढ़ पत्नी की शिकायत सन्दर्भ-ग्रंथ - लोकगीत (पूर्वी अवधी में) प्रकाशन- ग्राम सेविका प्रकाशन, लखनऊ ७- जुमई खां 'आजाद' कविता: कथरी सन्दर्भ-ग्रंथ - पहरुआ प्रकाशक - अवधी आश्रम, गोबरी, प्रतापगढ़ ८- विश्वनाथ पाठक कविता: पलायन सन्दर्भ-ग्रंथ - घर कै कथा प्रकाशन - भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ९- रफीक शादानी	
---	--

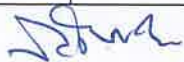
[Signature]

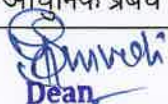
[Signature]
Dean

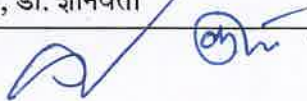
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

[Signature]

	कविता: जियौ बहादुर खदरधारी सन्दर्भ-ग्रंथ - जियौ बहादुर खदरधारी प्रकाशन - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली १०- रमाशंकर यादव 'विद्रोही' कविता: सीता सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
III	कहानी छोट के चोर (श्रीमती मोहिनी चमारिन) सन्दर्भ-ग्रंथ: कथा कहानी (सं. - भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली कहानी गांव की जिंदगी (वंशीधर शुक्ल) सन्दर्भ ग्रंथ: वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुंदर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ उपन्यास-अंश: निरहू की वापसी अउरु दिल्ली बरनन सन्दर्भ ग्रंथ: नई रोसनी (भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - कश्यप पब्लिकेशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	15
IV	लोककथा अवधी कहानी, नमूना-२ (जिला - फैजाबाद) सन्दर्भ-ग्रंथ: भारत का भाषा सर्वेक्षण (भाग -६) संकलनकर्ता व सम्पादक - सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन अनुवादक - डॉ. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ आत्मकथांश: पिरेम कै आगि सन्दर्भ ग्रंथ: किस्सा पांडे सीताराम सूबेदार (मधुकर उपाध्याय) प्रकाशक - सारांश प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. अवधी कथा साहित्य का इतिहास, डॉ. अरविन्द कुमार 2. अवधी और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोकिनारायण दीक्षित 3. आधुनिक अवधी भोजपुरी इतिहास और काव्य, डॉ. शालिग्राम शुक्ल 4. अवधी की आधुनिक प्रबंध धारा, डॉ. ज्ञानवती	




Dean



	5. आधुनिक अवधी काव्य : लोक जीवन और संस्कृति, डॉ. सरोज शुक्ला This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण



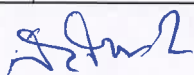

Dean



Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010804TC		COURSE TITLE: भोजपुरी साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 उपन्यास और कहानी के स्वरूप को भोजपुरी के संदर्भ में समझना।			
2. इकाई 2 ग्राम देवता उपन्यास से भोजपुरी लोक वृत्त समझना।			
3. इकाई 3 कविता के माध्यम से भोजपुरी भूगोल के झंझावतों और आकांक्षाओं को देखना।			
4. इकाई 4 बिदेशिया नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा को देखना।			
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33	
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	उपन्यास आ कहानी : परिभाषा आ स्वरूप , तत्व, भाषा आ शिल्प		15
II	ग्राम देवता : रामदेव शुक्ल		15
III	कविता : मोर हीरा हेरा गय कचरे में (कबीर) अछूत की शिकायत (हीरा डोम) सुरमा आँखी में नाहीं ई तू छुलावत बाटऽ (तेग अली) प्रतियोगिता प्रसंग (सुशांत शर्मा) “जटायु के प्रतियोगिता प्रसंग से 8वें छंद से 16वें छंद तक”		15
IV	नाटक : बिदेशिया (भिखारी ठाकुर)		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. भोजपुरी साहित्य का इतिहास --कृष्णदेव उपाध्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्था, वाराणसी			
2. भोजपुरी के आदिकवि कबीर : प्रो. ब्रजकिशोर एवं जितेंद्र वर्मा, अ. भा.भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना			

	3. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त रूपरेखा : तैयब हुसैन पीड़ित, शब्द संसार पटना 4. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन : चन्द्रमा सिंह, जानकी प्रकाशन पटना 5. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास : वेवेक राय 6. भोजपुरी कहानी विकास आ परम्परा : कृष्णा नन्द कृष्ण 7. समकालीन भोजपुरी साहित्य के कहानी विशेषांक 8. भोजपुरी उपन्यासों में जीवन मूल्य : बलिराम प्रसाद, डी. पी. ए. पब्लिशिंग हाँउस, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)




Dean



Faculty of Humanities
Maa Vinayakini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010804TD	COURSE TITLE: अनुवाद विज्ञान	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : - इकाई 1 अनुवाद के महत्व की समझ बनेगी। - इकाई 2 अनुवाद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। - इकाई 3 साहित्यिक अनुवाद की जानकारी मिलेगी। - इकाई 4 मशीन से अनुवाद की प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद का स्वरूप, महत्व एवं प्रकार, अनुवाद और भाषा का संबंध, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय, अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र, अनुवाद की भारतीय परंपरा, अनुवाद और रोजगार	15
II	अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार, अनुवाद की सीमाएं एवं समस्याएं, अनुवाद की विभिन्न प्रयुक्तियाँ	15
III	साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं भावानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, मीडिया और अनुवाद ज्ञान विज्ञान का साहित्य और अनुवाद, बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद	15
IV	अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन, मशीन अनुवाद और उसकी समस्याएं, वैश्वीकरण और अनुवाद	15
संदर्भ ग्रन्थ: तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972		

[Signature]

[Signature]
Dean

[Signature]

Faculty of Humanities
Maa Vaidya University, Mirzapur

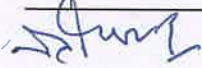
	2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012 3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994 5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980 7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997 8. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973 9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्या, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987 10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012 11. टंडन पूनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशन प्रकाशन, दिल्ली, 2018 12. टंडन पूनचंद एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005 13. कुंचिपादम सीता, बैंको में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991 14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018 15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999 16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2007 17. https://shabdavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली) 18. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोष) 19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश) 20. https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश) This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

2/2/2021

Dean

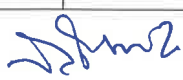
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject, in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)



 Dean
 Faculty of Humanities
 Mac Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/ CLASS: उपाधि(डिग्री) आनर्स with Research		बी0ए0 4 year/ एम ए प्रथम सेमेस्टर मेजर अनिवार्य	VIII (अष्टम) सेमेस्टर/ MA II सेमेस्टर
SUBJECT: HINDI (हिन्दी)			
COURSE CODE: AO10805T पंचम प्रश्नपत्र		COURSE TITLE: हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम,, पटकथा और विज्ञापन लेखन	
पाठ्यक्रम का लक्ष्य - - इकाई 1- हिंदी पत्रकारिता के सामान्य स्वरूप के साथ इसकी प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं से परिचय प्राप्त करते हुए इसके विकास के चरणबद्ध इतिहास को समझना। - इकाई 2-जनसंचार के परंपरागत और आधुनिक माध्यमों के स्वरूप और प्रयोग को समझते हुए हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका को रेखांकित करना। - इकाई 3-विज्ञापन के बारे में जानकर विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन की सही प्रविधियों को समझना और इस कौशल का उपयोग रोजगार-प्राप्ति में करना। 4- इकाई पटकथा-लेखन के स्वरूप और प्रक्रिया को समझकर इस क्षेत्र में रोजगारोन्मुख कौशल अर्जित करना।			
CREDITS-04	MAX MARKS 25+75=100		MIN. PASSING MARKS: 40
Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-0-0 or 2-1-0 etc			
UNIT इकाई	Topic		NO lectures One Hour
I	हिंदी पत्रकारिता : अवधारणा, सामान्य परिचय, इतिहास एवं वर्तमान स्वरूप, महत्व, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ (नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, मतवाला, सुधा, माधुरी, चाँद, हंस, प्रतीक, आलोचना, समालोचक, नया पथ, धर्मयुग, समकालीन भारतीय साहित्य , आजकल)		15
II	जनसंचार : अर्थ एवं अवधारणा, विविध माध्यम, चुनौतिया, संभावनाएँ, ई-पत्रकारिता, ब्लॉग पत्रकारिता ।		15
III	विज्ञापन : अर्थ परिभाषा, प्रकार एवं विशेषताएँ, विज्ञापन का विभिन्न क्षेत्रों से संबंध एवं महत्व, विज्ञापन कानून एवं आचार संहिता आधारभूत सिद्धांत। विज्ञापन निर्माण की प्रविधि भाषा एवं विविध माध्यम		15
IV	पटकथा लेखन : अर्थ परिभाषा, सामान्य परिचय, पटकथा लेखन की प्रक्रिया प्लाट बनाना, ड्राफ्ट बनाना, पटकथा के प्रारूप, प्रमुख साफ्टवेयरों की जानकारी		15
लर्निंग आउट्सकम -			



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

IV	पटकथा लेखन : अर्थ परिभाषा, सामान्य परिचय, पटकथा लेखन की प्रक्रिया प्लॉट बनाना, ड्राफ्ट बनाना, पटकथा के प्रारूप, प्रमुख साफ्टवेयरों की जानकारी	15
	संदर्भ ग्रंथ सूची : 1. भारतीय पत्रकारिता कोश: खंड 1 व 2, विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास: अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 3. हिन्दी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ: विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 4. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास: जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 5. हिन्दी पत्रकारिता: कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 6. साहित्यिक पत्रकारिता: ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 7. समकालीन वैश्विक पत्रकारिता में अखबार: प्रांजल धर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. हिन्दी पत्रकारिता की शब्द संपदा डा० बद्रीनाथ कपूर, डा० आर० रत्नेश, डा। शिवकुमार अव प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 9. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम (भाग 1 व 2): सं० डा० वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर दिल्ली 10. विज्ञापन, व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 11. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन, डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर 12. पटकथा-लेखन: एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 13. जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन, प्रो. निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 14. जनसंचार माध्यम, NCERT 15. पटकथा लेखन : एक परिचय मनोहर श्याम जोशी 18. हिन्दी विज्ञापन की भाषा, आशा पाण्डेय, ब्लेकी एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., दिल्ली	
	Suggested continuous evaluation methods : लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	

[Signature]

[Signature]
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwajagadhi University, Mirzapur

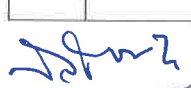
[Signature]

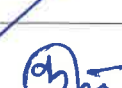
अथवा

बी0 ए0: चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम आनर्स कोर्स					
UG Honours with Research पाठ्यक्रम संरचना					
वर्ष	सेमेस्टर	श्रेणी/ कोर्स का प्रकार	कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	क्रेडिट्स
चार वर्षीय स्नातक आनर्स कोर्स	VII सप्तम	मेजर अनिवार्य	AO10701 T	प्रश्न पत्र 01- आदिकाल, पृष्ठभूमि, इतिहास और साहित्य	04
			AO10702 T	प्रश्न पत्र 02- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन: परंपरा और दृष्टि	04
			AO10703 T	प्रश्न पत्र 03- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04
			AO10704 T	प्रश्न पत्र 04- हिंदी सिनेमा	04
			AO10705 T	प्रश्न पत्र 05- रिसर्च प्रोजेक्ट	04
कुल क्रेडिट्स-20					
चार वर्षीय स्नातक आनर्स WITH कोर्स	VIII अष्टम	मेजर अनिवार्य	AO10801 T	प्रश्नपत्र 01- मध्यकाल, (भक्तिकाल, एवं रीति काल): इतिहास एवं साहित्य	04
			AO10802 T	प्रश्न पत्र 02- भाषा विज्ञान एवं भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	04
			AO10803 T	प्रश्नपत्र 03- तुलनात्मक साहित्य, अवधी साहित्य, भोजपुरी साहित्य, लोक साहित्य और अनुवाद विज्ञान में से कोई एक प्रश्न पत्र	04
			AO10804 T	प्रश्न पत्र 04- हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम, पटकथा और विज्ञापन लेखन	04
			AO10805 T	प्रश्न पत्र 05- रिसर्च प्रोजेक्ट	04
कुल क्रेडिट्स-20					

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwanath University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010701T		COURSE TITLE: आदिकाल: पृष्ठभूमि, इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियाँ, भाषा रूपों का अध्ययन अपेक्षित है। साथ ही भविष्य के हिन्दी साहित्य और संस्कृति की पीठिका की समझ का निर्माण भी होगा। कतिपय चयनित अंशों के माध्यम से आदिकालीन रचना परिदृश्य को समझने का प्रयास होगा। 1. इकाई 1 आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण, भाषा रूप आदि को समझना। 2. इकाई 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करना। 3. इकाई 3 आदिकाल की पृष्ठभूमि को रासो, लौकिक साहित्य और अमीर खुसरो की दृष्टि से समझना। 4. इकाई 4 सरहपा, चंदबरदाई, विद्यापति, और खुसरो की कविता के चयनित अंशों की समझ प्राप्त करना।			
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33	
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	आदिकाल की पृष्ठभूमि I आदिकाल: नामकरण सम्बन्धी विचार एवं काल निर्धारण, परिवेश, राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, आदिकालीन भाषा रूप।		15
II	आदिकाल की पृष्ठभूमि II अपभ्रंश साहित्य: पृष्ठभूमि और प्रभाव, आदिकाल की उपलब्ध सामग्री. प्रमाणिकता, ग्रहण और त्याग का सन्दर्भ, सिद्ध साहित्य और जैन साहित्य।		15



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasini University, Mirzapur

III	आदिकाल की पृष्ठभूमि III रासो साहित्य, पृथ्वीराज रासो- विभिन्न संस्करण, प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता के लिए तर्क, काव्योत्कर्ष, अमीर खुसरो, विद्यापति, लौकिक साहित्य और उसकी विशेषताएँ।	15
IV	चयनित अंश इस युनिट में निर्धारित पद्यांश की व्याख्या और काव्य सौन्दर्य का उद्घाटन अपेक्षित है- 1. सरहपा – हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह में संकलित सरहपा के दस दोहे। 2. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासो – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी। 3. विद्यापति-नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, गीत संख्या 3,4,5,6,9,14,17,20,25,37 और 64 4. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास (मुकरी-156, 160, 162, 168, 175, 184, 185, 188, 197, 204 - दस दोहे) गीत-95, 112, 113, 116, 125, 126 कुल छः गीत।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मी सागर वाष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णेय, प्र० लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्री कृष्णलाल, प्र० हिन्दी परिषद प्रयाग। 10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं० डॉ० नगेन्द्र। 11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ० जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना० प्र० सभा, वाराणसी। 12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।	

[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

[Signature]

13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. कीर्तिलता और अवहट्ट - शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
17. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
19. चन्दबरदाई. पृथ्वीराज रासउ - संयोगिता परिणयए माताप्रसाद गुप्तए साहित्य सदनए चिरगांवए झांसीछ
20. विद्यापति - नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशनए नई दिल्ली।
21. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक - ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation Methods:

- 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
- 2- वाचन

Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
---------------------------------	--------------------------	--------------------------

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010702T

COURSE TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास
लेखन: परम्परा और दृष्टि

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन संबंधी विभिन्न दृष्टियाँ रही हैं। इस पत्र के माध्यम से इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास की परंपरा, काल विभाजन एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन किया जायेगा। पत्र का उद्देश्य विभिन्न दृष्टियों की स्पष्ट समझ का निर्माण करना है।

1. इकाई 1
इतिहास दर्शन को साहित्य के अलोक में समझना।
2. इकाई 2
इतिहास लेखन परम्परा में नामकरण, काल विभाजन आदि को जानना।
3. इकाई 3
साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों को समझना।
4. इकाई 4
साहित्येतिहास दर्शन के अन्य प्रमुख सिद्धान्तों को समझना।

CREDITS: 4

MAX MARKS: 25+75

MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	इतिहास लेखन परंपरा - I इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप, इतिहास दर्शन, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचना।	15
II	इतिहास लेखन परंपरा - II हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास के आधार, काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।	15
III	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - I विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।	15

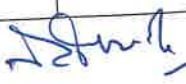



Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasai University, Mirzapur



IV	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - II इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी एवं एलजीबीटी के संदर्भ	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-एक), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद 8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली 11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
--	---	--




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwavidyalaya, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MAI
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010703A		COURSE TITLE: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय ज्ञान परंपरा के काव्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित होंगे।			
2. इकाई 2 भारतीय काव्यशास्त्र के ध्वनी, वक्रोक्ति, औचित्य आदि सिद्धांतों से परिचय प्राप्त करेंगे।			
3. इकाई 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की व्यापक समझ बनेगी।			
4. इकाई 4 पाश्चात्य दार्शनिकों के दर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र – I - काव्य लक्षण - काव्य हेतु - काव्य प्रयोजन - काव्य के प्रकार रस सिद्धांत - रस सिद्धांत - रस का स्वरूप - रस निष्पत्ति - रस के अंग - साधारणीकरण		15





 Dean

	● सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत ● मूल स्थापनाएं ● अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्धांत ● रीति की अवधारणा ● काव्य गुण ● रीति एवं शैली ● रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं	
II	भारतीय काव्यशास्त्र – II वक्रोक्ति सिद्धांत ● वक्रोक्ति की अवधारणा ● वक्रोक्ति के भेद ● वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ध्वनि सिद्धांत ● ध्वनि का स्वरूप ● ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं ● ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद ● गुणीभूत व्यंग्य ● चित्र काव्य औचित्य सिद्धांत ● प्रमुख स्थापनाएं औचित्य के भेद	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – III प्लेटो ● काव्य सिद्धांत अरस्तू ● अनुकरण सिद्धांत ● त्रासदी ● विरेचन लान्जाइनस ● औदात्य की अवधारणा	15




Dean

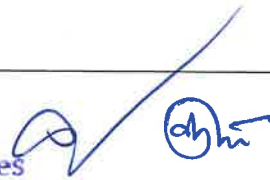


	ड्राइडन ● काव्य सिद्धांत वर्ड्सवर्थ ● काव्य भाषा का सिद्धांत कोलरिज कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना	
IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – IV ● मौथ्यु ओर्नाल्ड ● आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य टी.एस.इलियट ● परम्परा की परिकल्पना और वैक्तिक प्रज्ञा ● निवैक्तिकता का सिद्धांत ● वस्तुनिष्ठ समीकरण आई.ए.रिचर्ड्स ● रागात्मक अर्थ ● सम्बेगों का संतुलन ● सम्प्रेषण सिद्धांत सिद्धांत और वाद ● स्वच्छन्दतावाद ● अभिव्यंजनावाद ● मार्क्सवाद ● मनोविश्लेषणवाद ● अस्तित्ववाद ● उत्तरआधुनिकता अन्य बिंदु ● मिथक ● फंतासी ● कल्पना ● बिम्ब	15

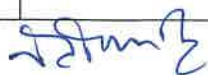



Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



	• प्रतीक	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ० राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना। 2. समीक्षा दर्शन : डॉ० रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र० इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी। 4. काव्यशास्त्र : डॉ० भगीरथ मिश्र, प्र० विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. रस-विमर्श : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी। 6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी। 7. कविता के प्रतिमान : डॉ० रवीन्द्र भ्रमर। 8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र, प्र० नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश-त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई। 10. साहित्यालोचन : डॉ० श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ० जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ० नगेन्द्र। 14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods:	




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur





	1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

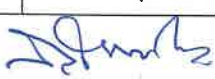
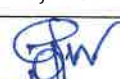



Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A0107041		COURSE TITLE: हिन्दी सिनेमा	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय सिनेमा का इतिहास समझने में मदद मिलेगी। 2. इकाई 2 भारतीय सिनेमा के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी। 3. इकाई 3 सिनेमा से जुड़े तमाम शब्दावलियों का गहनता से अध्ययन सुनिश्चित की जाएगी। 4. इकाई 4 सिनेमा के प्रायोगिक कार्य से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नये मार्ग प्रशस्त होंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	हिन्दी सिनेमा –I ● हिन्दी सिनेमा का आरम्भ ● हिन्दी सिनेमा और दादा साहब फाल्के ● हिन्दी मूक सिनेमा ● हिन्दी सवाक सिनेमा ● भारतीय सिनेमा का अति संक्षिप्त परिचय		15
II	हिन्दी सिनेमा –II ● सन 1947 से 1980 के दौर का हिन्दी सिनेमा (प्रमुख फिल्में – आवारा , दो बीघा ज़मीन, उसने कहा था, मेरा नाम जोकर, मदर इंडिया और शोले) ● सन 1980 से 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – मिस्टर इंडिया, एक डॉक्टर की मौत, चश्मे बहूर, छत्तीस चौरंगी लेन और अंगूर)		15



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

	• सन 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – चक दे इंडिया, द लिजेंड ऑफ़ भगत सिंह, स्लमडॉग मिलियनेयर, मेरी कॉम और दंगल) • हिंदी सिनेमा : विषय वैविध्य (समसामयिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनितिक पहलू)	
III	हिन्दी सिनेमा –II • प्रमुख व्यक्तित्व : राजकपूर, श्याम बेनेगल, हृषिकेश मुखर्जी, ओमपुरी, दिलीप कुमार, के.एल. सहगल, मीना, वहीदा रहमान और स्मिता पाटिल आदि) • समानांतर सिनेमा • प्रतिबंधित सिनेमा • सिनेमाई भाषा का स्वरूप • सेंसरशिप • हिंदी सिनेमा :प्रतिरोध और विमर्श ▪ स्त्री प्रतिरोध (मंडी, छपाक, लज्जा और मेरी कॉम) ▪ दलित प्रश्न (अछूत कन्या और सद्गति) ▪ आदिवासी जीवन (माझी : द माउन्टेन मैन, मृगया) ▪ बाल सिनेमा (तारे जमीं पर, मासूम, मकड़ी) • भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी सिनेमा • डिजिटल सिनेमा का संक्षिप्त परिचय	15
IV	चतुर्थ इकाई में हिंदी सिनेमा से सम्बंधित प्रायोगिक कार्य निर्धारित है - • किन्हीं दो साहित्य आधारित फिल्मों का अध्ययन (काबुलीवाला, उमराव जान, रजनीगंधा, गाइड, तीसरी कसम, श्री इंडियट्स, निशांत, नौकर की कमीज, चरणदास चोर) • फिल्म समीक्षा • फिल्म निर्माण और मूल्यांकन (उपलब्ध संसाधन से) • समसामयिक फीचर फिल्म/डॉक्युमेंट्री/रिपोर्ट लेखन पर समूह चर्चा • शोध पत्र/लेख समीक्षा का प्रस्तुतिकरण • मौखिकी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली	

[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak Vastu University, Mirzapur

[Signature]

	2. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली 3. विश्व सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ 100 फ़िल्में, राकेश मित्तल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 4. डायरेक्टर्स कट, जावेद हमीद, अतुल्य पब्लिकेशंस, दिल्ली 5. जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 6. हिन्दी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 7. प्रतिरोध और सिनेमा, महेंद्र प्रजापति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 8. जिन्दगी, गुरुदत्त 9. दो गुल्फामों की तीसरी कसम, अनंत कुथौल, कीकट प्रकाशन, पटना 10. बिछड़े सभी बारी-बारी, विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण, विनोद दास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur



PROGRAM ME CLASS: आनर्स with रिसर्च	बी0ए0 4 year/ एम ए प्रथम वर्ष मेजर अनिवार्य	VIII (अष्टम) सेमेस्टर/ MA II सेमेस्टर
SUBJECT: HINDI (हिन्दी)		
COURSE CODE: A010801T A010801T प्रथम प्रश्न पत्र	COURSE TITLE: मध्यकाल (भक्तिकाल तथा रीतिकाल): इतिहास और साहित्य	क्रेडिट- 04
पाठ्यक्रम का उद्देश्य: इकाई 1- भक्तिकाल तथा रीतिकाल की दार्शनिक, सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि और परिदृश्य को जानना। इनके उद्भव और विकास की यात्रा से परिचय प्राप्त करना। इकाई 2- भक्तिकालीन निर्गुण मार्गी कवियों कबीर और जायसी की काव्यगत प्रवृत्तियों और सौंदर्य का उद्घाटन करते हुए इनकी प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से इनके काव्य के आस्वाद की सामर्थ्य विकसित करना। इकाई 3- भक्तिकालीन सगुण मार्गी कवियों सूरदास और तुलसीदास की काव्य-प्रवृत्तियों और इनके रचना-सौंदर्य का उद्घाटन। प्रतिनिधि रचनाओं की व्याख्या के द्वारा इनके भावलोक से गहन परिचय अर्जित करना। इकाई 4- रीतिकाल के प्रमुख कवियों, केशवदास, बिहारी, घनानंद तथा भूषण के काव्य-संस्कारों और विशेषताओं से परिचित होना। चुनी हुई रचनाओं के विश्लेषण के माध्यम से इनके रचना-सौंदर्य का उद्घाटन।		
UNIT (इकाई)	Topic	NO of lectures One Hour
I	मध्यकाल का इतिहास (भक्तिकाल)- I सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य, उद्भव एवं विकास मध्यकाल का इतिहास (रीतिकाल)- II सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य, उद्भव एवं विकास	15
II	कबीर दास: कबीर ग्रंथावली: संपादक: श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी गुरुदेव कौ अंग: 1, 20, सुमिरन कौ अंग: 4, 14, बिरह कौ अंग, 12, 24, ग्यान विरह कौ अंग: 5, 10, परचा कौ अंग: 3, 5 पद संख्या 1, 2, 3, 9, कुल 4 पद	15




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

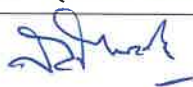


	जायसी ग्रंथावली: पद्मावत: संपादक आ० रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा काशी, नागमती वियोग वर्णन	
III	सूरदास: भ्रमरगीत सार आ० रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा काशी, पद सं० 2, 8, 14, 20, एवं 23 तुलसीदास: रामचरित मानस तुलसीदास गीत प्रेस गोरखपुर आयोध्या कांड से सीता-राम संवाद : मास पारायण, चौदहवाँ विश्राम से लेकर दोहा सं 0 67 की 2 चौपाइयों तक	15
IV	बिहारी सतसई: बिहारी रत्नाकर: सं 0 जगन्नाथ दास रत्नाकर लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद दोहा सं 0: 1, 9, 20, 38, 85, 171, 19, 207, 300, 588 तक रामचंद्रिका: केशवदास; केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं० लाला भगवानदीन 11वाँ प्रकाश- छंद सं० 1 से 3, 5 तक, 12वाँ प्रकाश - छंद सं० 1 से 4, 5 तक भूषण: भूषण ग्रंथावली, प्रधान संपादक: विश्वनाथप्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी, शरत्पूर्णिमा, संवत् 1993, शिवा बावनी: प्रताप वर्णन, विजय वर्णन, छत्रसाल दशक: पराक्रम वर्णन, दान वर्णन। घनानंद कवित्त: सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 10 छंद: छंद सं० 1, 5, 8, 15, 17, 19, 68 तक	15

लर्निंग आउटकम: मध्यकाल तथा रीति कालीन साहित्य प्रवित्तियों की समझ होगी।
कबीरदास, जायसी के काव्य के मर्म की समझ होगी साथ ही साथ सगुण काव्य धारा में तुलसीदास, सूरदास एवं उनके साहित्य उत्कर्ष, काव्य सौंदर्य की समझ होगी। बिहारी तथा भूषण एवं घनानंद की काव्य रचना की समझ और रसनिरूपण संबंधी मान्यताओं की समझ होगी।

संदर्भ ग्रंथ:

1. कबीर: आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. गोस्वामी तुलसीदास: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी, सभा
3. त्रिवेणी: सं० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. सूर साहित्य: आ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास: संपादक डॉ० नगेन्द्र
6. तुलसी आधुनिक वातायन से: रमेश कुंतल मेघ
7. लोकवादी तुलसीदास: विश्वनाथ त्रिपाठी
8. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी
9. जायसी: विजयदेवनारायण साही
10. महाकवि जायसी और उनका काव्य : इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाशन



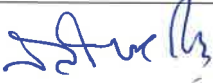

Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur





11. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र
12. बिहारी सार्धशती: ओमप्रकाश
13. बिहारी की काव्य दृष्टि: जयप्रकाश
14. बिहारी की वाग्विभूति: विष्वनाथप्रसाद मिश्र
15. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना: बच्चन सिंह, नागरीप्रचा
16. बिहारी का नया मूल्यांकन: बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाश
17. रीतिकाव्य: मूल्यांकन के नये आयाम, सं. डॉ० प्रभाकर सिंह
18. महाकवि भूषण: भागीरथप्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन लि०
19. वीर काव्य: भागीरथप्रसाद दीक्षित
20. घनानंद (साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ)
21. रीतिकाव्य की भूमिका: डॉ० नगेन्द्र
22. रीतिकाव्य: नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vidhyavasin University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010803T		COURSE TITLE: भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भाषा की उत्पत्ति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे साथ-ही-साथ विभिन्न भाषा परिवार की भाषाओं से भी परिचय प्राप्त करेंगे। 2. इकाई 2 भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि के बारे में व्यापक समझ बनेगी। 3. इकाई 3 हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की विस्तृत जानकारी के साथ ही हम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप के बारे में भी जान सकेंगे। 4. इकाई 4 भाषा की मानकीकरण की व्यापक समझ विकसित होगी।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS. 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषोत्पत्ति के विविध सिद्धान्त, भारत में भाषा अध्ययन एवं भाषा विज्ञान की परम्परा । भाषा का वर्गीकरण : पारिवारिक एवं आकृतिमूलक, भारत के विभिन्न भाषा परिवार की विशेषताएँ और हिन्दी ।		15
II	ध्वनि विज्ञान: अर्थ एवं अवधारणा, ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशायेँ, पद विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, अर्थ प्रतीति के साधन अर्थ परिवर्तन के कारण व दिशायेँ, वाक्य विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव, व्याकरणिक कोटियाँ: अभिप्राय एवं उद्देश्य, रूपिम की परिभाषा एवं प्रकार, कोश विज्ञान व शैली विज्ञान का स्वरूप		15



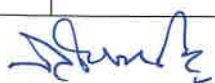

Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

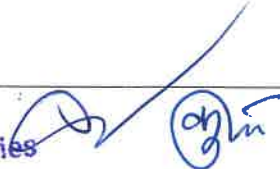




III	हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी राजभाषा के रूप में हिन्दी की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रभाषा के आवश्यक गुण और हिन्दी, वैश्विक हिन्दी	15
IV	हिन्दी मानकीकरण, समस्या और समाधान, आधुनिक तकनीकी विकास और हिन्दी देवनागरी लिपि के उद्भव, विकास एवं इसकी वैज्ञानिकता	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली 2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद 3. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद 4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 5. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान-देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 6. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी। 7. भाषा शास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी 8. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 9. हिन्दी - उद्भव, विकास और रूप : डॉ० हरदेव बाहरी 10. भारत की भाषा -समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 11. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 12. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन 13. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा 14. आधुनिक भाषा विज्ञान : राजमणि शर्मा 15. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन 16. संपर्क भाषा हिन्दी : सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Handwritten signature]

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/ MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010803TA		COURSE TITLE: तुलनात्मक साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 तुलनात्मक साहित्य के सामाजिक संस्कृतिक महत्व को समझना।			
2. इकाई 2 कन्नड़ और हिंदी के उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संस्कृतिक, सामाजिक निर्मितियों संरचनाओं को समझना।			
3. इकाई 3 रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अध्ययन में भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना।			
4. इकाई 4 मराठी नाट्य विधा के द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति एवं सभ्यता को समझना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	तुलनात्मक साहित्य : अर्थ और अवधारणा, तुलनात्मक भारतीय साहित्य का स्वरूप और विभिन्न स्कूल		15
II	उपन्यास : संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति, (कन्नड़ से अनुदित)		15
III	कविता : रवीन्द्रनाथ टैगोर की 3 कविताएं : भारत तीर्थ, मुक्ति, प्रार्थना (बांग्ला से अनुदित) कहानी : अँधेरे की आत्मा : एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम से अनुदित)		15
IV	नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर, (मराठी से अनुदित)		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1983			

[Signature]

[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vaidhyarasi University, Mirzapur

2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य शास्त्र : इतिहास और समीक्षा : (भूमिका) डॉ. भागीरथ मिश्र, लेखक विष्णुदत्त राकेश, साहित्य सदन, देहरादून
4. तुलनात्मक साहित्य : (सं.) डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985.
5. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएँ : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
6. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
7. तुलना और तुलना : डॉ० के० वनजा, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2001
8. तुलनात्मक साहित्य समाकलन : टी० जी० मयंकड, (सं०) डॉ० नगेन्द्र
9. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत उपयोजन, डॉ० आनंद पाटिल, हिन्दी बुक कारपोरेशन, दिल्ली, 2006
10. बाङ्ला साहित्य का इतिहास सुकुमार सेन (अनुवादक) निर्मला जैन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2004.
11. बाङ्ला और उसका साहित्य : श्री हंस कुमार तिवारी, (सं.) क्षेमचन्द्र सुमन, राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली
12. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० सी० एम० योहान्नन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भारतीय साहित्य के निर्माता : शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2008
14. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन : (सं०) डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा से प्रकाशित, 1966
15. भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत साहित्यकार : (सं०) डॉ० आरसु, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
16. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा : डॉ० सुरेन्द्र एस. बारलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ
17. The criticism of comparison, contemporary criticism (सं०) मैलकॉक ब्रैडवरी, डेविड पामर
18. तौलनिक साहित्याभ्यास : बसंत बापट, मौज प्रकाशन, मुंबई, 1990
19. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी साहित्य : सरोकार और साक्षात्कार : डॉ० आरसु, परमेश्वरी प्रकाशन (किताबघर प्रकाशन का उपक्रम), दिल्ली
21. इस्पातिका : भारतीय उपन्यास विषेशांक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vidhyavasin University, Mirzapur





	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)




Dean

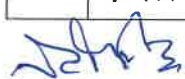
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdas University, Mirzapur





PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010804TB	COURSE TITLE: अवधी साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस प्रश्न के माध्यम से अवधी भाषा और साहित्य से छात्र परिचित हो सकेंगे। अवधी भाषा और साहित्य का विस्तार क्षेत्र हिंदी भाषा क्षेत्र में समाहित है। हिंदी की संरचना को अवधी ने किस तरह प्रभावित किया है, जिज्ञासा का समाहार प्रस्तुत करना भी प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। अवधी क्षेत्र के संस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैचारिक स्वर को पहचानने के साथ-साथ प्रतिरोध की साझी वैचारिकी से भी पाठक परिचित होंगे। अवधी साहित्य में उपस्थित लोक, विषय वैविध्य और भाषिक प्रयोग के कारण अवधी को मध्यकाल की विशिष्ट भाषा और साहित्य का दर्जा दिया गया। कालांतर में अवधी भाषा की विकास यात्रा का आधुनिक स्वरूप नई चुनौतियों को किस प्रकार स्वर प्रदान कर रहा है के उद्देश्य की पूर्ति हेतु कोर्स का निर्धारण किया गया है। अवधी भाषा और साहित्य की हिंदी के साथ सहजीविता के वास्तविक स्वरूप की प्रस्तुति भी इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। - इकाई 1 अवधी की भाषिक अस्मिता और साहित्यिक अवदान से परिचित होंगे। - इकाई 2 काव्य प्रस्तुतियों के अवधी संस्करण की आधुनिक ध्वनियों से परिचित हो सकेंगे। - इकाई 3 किस्सागोई के अवधी लोक से कहानी तक की यात्रा में उपस्थित जीवन मूल्यों को जान पाएंगे। - इकाई 4 अवधी का विस्तृत लोक जीवनानुभवों का ज्ञान भंडार है, से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	अवधी साहित्य का इतिहास	15
II	पद्य १- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' कविता: बिटउनी सन्दर्भ-ग्रंथ - पढ़ीस ग्रंथावली (सं. - रामविलास शर्मा) प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ	15

२- वंशीधर शुक्ल कविता: राजा की कोठी सन्दर्भ-ग्रंथ - वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुन्दर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ३- गुरुप्रसाद सिंह 'मृगेश' कविता: उजरि बदरवा मानी हूँगे सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ४- चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' कविता: परबसता सन्दर्भ-ग्रंथ - बौछार प्रकाशन - ग्राम साहित्य मंदिर, लखनऊ ५- त्रिलोचन शास्त्री कविता: बरवै (परिशिष्ट के आरंभिक बीस बरवै) सन्दर्भ-ग्रंथ - अमोला की किसुली (सं. - अष्टभुजा शुक्ल) प्रकाशन - नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली ६- माता प्रसाद 'मितई' कविता: विदेसिया - पंचायत से अपढ़ पत्नी की शिकायत सन्दर्भ-ग्रंथ - लोकगीत (पूर्वी अवधी में) प्रकाशन- ग्राम सेविका प्रकाशन, लखनऊ ७- जुमई खां 'आजाद' कविता: कथरी सन्दर्भ-ग्रंथ - पहरुआ प्रकाशक - अवधी आश्रम, गोबरी, प्रतापगढ़ ८- विश्वनाथ पाठक कविता: पलायन सन्दर्भ-ग्रंथ - घर कै कथा प्रकाशन - भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ९- रफीक शादानी	
--	--



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

	कविता: जियौ बहादुर खदरधारी सन्दर्भ-ग्रंथ - जियौ बहादुर खदरधारी प्रकाशन - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली १०- रमाशंकर यादव 'विद्रोही' कविता: सीता सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
III	कहानी छोट के चोर (श्रीमती मोहिनी चमारिन) सन्दर्भ-ग्रंथ: कथा कहानी (सं. - भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली कहानी गांव की जिंदगी (वंशीधर शुक्ल) सन्दर्भ ग्रंथ: वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुंदर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ उपन्यास-अंश: निरहू की वापसी अउरु दिल्ली बरनन सन्दर्भ ग्रंथ: नई रोसनी (भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - कश्यप पब्लिकेशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	15
IV	लोककथा अवधी कहानी, नमूना-२ (जिला - फैजाबाद) सन्दर्भ-ग्रंथ: भारत का भाषा सर्वेक्षण (भाग -६) संकलनकर्ता व सम्पादक - सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन अनुवादक - डॉ. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ आत्मकथांश: पिरेम कै आगि सन्दर्भ ग्रंथ: किस्सा पांडे सीताराम सूबेदार (मधुकर उपाध्याय) प्रकाशक - सारांश प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. अवधी कथा साहित्य का इतिहास, डॉ. अरविन्द कुमार 2. अवधी और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोकिनारायण दीक्षित 3. आधुनिक अवधी भोजपुरी इतिहास और काव्य, डॉ. शालिग्राम शुक्ल 4. अवधी की आधुनिक प्रबंध धारा, डॉ. ज्ञानवती	

	5. आधुनिक अवधी काव्य : लोक जीवन और संस्कृति, डॉ. सरोज शुक्ला This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur

[Handwritten signature]

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010802TC		COURSE TITLE: भोजपुरी साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 उपन्यास और कहानी के स्वरूप को भोजपुरी के संदर्भ में समझना।			
2. इकाई 2 ग्राम देवता उपन्यास से भोजपुरी लोक वृत्त समझना।			
3. इकाई 3 कविता के माध्यम से भोजपुरी भूगोल के झंझावतों और आकांक्षाओं को देखना।			
4. इकाई 4 बिदेशिया नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा को देखना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	उपन्यास आ कहानी : परिभाषा आ स्वरूप , तत्त्व, भाषा आ शिल्प		15
II	ग्राम देवता : रामदेव शुक्ल		15
III	कविता : मोर हीरा हेरा गय कचरे में (कबीर) अछूत की शिकायत (हीरा डोम) सुरमा आँखी में नाहीं ई तू छुलावत बाटऽ (तेग अली) प्रतियोगिता प्रसंग (सुशांत शर्मा) “जटायु के प्रतियोगिता प्रसंग से 8वें छंद से 16वें छंद तक”		15
IV	नाटक : बिदेशिया (भिखारी ठाकुर)		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. भोजपुरी साहित्य का इतिहास --कृष्णदेव उपाध्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्था, वाराणसी			
2. भोजपुरी के आदिकवि कबीर : प्रो. ब्रजकिशोर एवं जितेंद्र वर्मा, अ. भा.भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना			

[Signature]

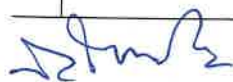
[Signature]
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vidhyarasi University, Mirzapur

[Signature]

[Signature]

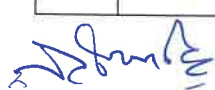
	3. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त रूपरेखा : तैयब हुसैन पीड़ित, शब्द संसार पटना 4. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन : चन्द्रमा सिंह, जानकी प्रकाशन पटना 5. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास : वेवेक राय 6. भोजपुरी कहानी विकास आ परम्परा : कृष्णा नन्द कृष्ण 7. समकालीन भोजपुरी साहित्य के कहानी विशेषांक 8. भोजपुरी उपन्यासों में जीवन मूल्य : बलिराम प्रसाद, डी. पी. ए. पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)





Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010804TD	COURSE TITLE: अनुवाद विज्ञान	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : - इकाई 1 अनुवाद के महत्व की समझ बनेगी। - इकाई 2 अनुवाद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। - इकाई 3 साहित्यिक अनुवाद की जानकारी मिलेगी। - इकाई 4 मशीन से अनुवाद की प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद का स्वरूप, महत्व एवं प्रकार, अनुवाद और भाषा का संबंध, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय, अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र, अनुवाद की भारतीय परंपरा, अनुवाद और रोजगार	15
II	अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार, अनुवाद की सीमाएं एवं समस्याएं, अनुवाद की विभिन्न प्रयुक्तियाँ	15
III	साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं भावानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, मीडिया और अनुवाद ज्ञान विज्ञान का साहित्य और अनुवाद, बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद	15
IV	अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन, मशीन अनुवाद और उसकी समस्याएं, वैश्वीकरण और अनुवाद	15
संदर्भ ग्रन्थ: तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972		




Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्या, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012
11. टंडन पूनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशन प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूनचंद एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुचिपादम सीता, बैंको में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2007
17. <https://shabdavali.rbi.org.in/> (बैंकिंग शब्दावली)
18. <https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary> (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोष)
19. <https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi> (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. <https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/> (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण




Dean



Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
Dean

[Handwritten signature]

Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasini University, Mirzapur

PROGRAMME/ CLASS: उपाधि(डिग्री) आनर्स with Research	बी0ए0 4 year/ एम ए प्रथम वर्ष मेजर अनिवार्य	VIII (अष्टम) सेमेस्टर/ MA I सेमेस्टर
SUBJECT: HINDI (हिन्दी)		
COURSE CODE: A01080 पंचम प्रश्नपत्र	COURSE TITLE: हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम,, पटकथा और विज्ञापन लेखन	
पाठ्यक्रम का लक्ष्य - - इकाई 1- हिंदी पत्रकारिता के सामान्य स्वरूप के साथ इसकी प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं से परिचय प्राप्त करते हुए इसके विकास के चरणबद्ध इतिहास को समझना। - इकाई 2-जनसंचार के परंपरागत और आधुनिक माध्यमों के स्वरूप और प्रयोग को समझते हुए हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका को रेखांकित करना। - इकाई 3-विज्ञापन के बारे में जानकर विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन की सही प्रविधियों को समझना और इस कौशल का उपयोग रोजगार-प्राप्ति में करना। 4- इकाई पटकथा-लेखन के स्वरूप और प्रक्रिया को समझकर इस क्षेत्र में रोजगारोन्मुख कौशल अर्जित करना।		
CREDITS-04	MAX MARKS 25+75=100	MIN. PASSING MARKS: 40
Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-0-0 or 2-1-0 etc		
UNIT इकाई	Topic	NO lectures One Hour
I	हिंदी पत्रकारिता : अवधारणा, सामान्य परिचय, इतिहास एवं वर्तमान स्वरूप, महत्व, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ (नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, मतवाला, सुधा, माधुरी, चौद, हंस, प्रतीक, आलोचना, समालोचक, नया पथ, धर्मयुग, समकालीन भारतीय साहित्य , आजकल)	15
II	जनसंचार : अर्थ एवं अवधारणा, विविध माध्यम, चुनौतिया, संभावनाएँ, ई-पत्रकारिता, ब्लॉग पत्रकारिता ।	15
III	विज्ञापन : अर्थ परिभाषा, प्रकार एवं विशेषताएँ, विज्ञापन का विभिन्न क्षेत्रों से संबंध एवं महत्व, विज्ञापन कानून एवं आचार संहिता आधारभूत सिद्धांत। विज्ञापन निर्माण की प्रविधि भाषा एवं विविध माध्यम	15
IV	पटकथा लेखन : अर्थ परिभाषा, सामान्य परिचय, पटकथा लेखन की प्रक्रिया प्लॉट बनाना, ड्राफ्ट बनाना, पटकथा के प्रारूप, प्रमुख साफ्टवेयरों की जानकारी	15
लर्निंग आउटसकम -		

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

IV	पटकथा लेखन : अर्थ परिभाषा, सामान्य परिचय, पटकथा लेखन की प्रक्रिया प्लान बनाना, ड्राफ्ट बनाना, पटकथा के प्रारूप, प्रमुख साफ्टवेयरों की जानकारी	15
	संदर्भ ग्रंथ सूची : 1. भारतीय पत्रकारिता कोश: खंड 1 व 2, विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास: अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 3. हिन्दी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ: विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 4. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास: जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 5. हिन्दी पत्रकारिता: कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 6. साहित्यिक पत्रकारिता: ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 7. समकालीन वैश्विक पत्रकारिता में अखबार: प्रांजल धर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. हिन्दी पत्रकारिता की शब्द संपदा डा0 बट्टीनाथ कपूर, डा0 आर0 रत्नेश, डा। शिवकुमार अव प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 9. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम (भाग 1 व 2): सं0 डा० वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर दिल्ली 10. विज्ञापन, व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 11. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन, डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर 12. पटकथा-लेखन: एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 13. जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन, प्रो. निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 14. जनसंचार माध्यम, NCERT 15. पटकथा लेखन : एक परिचय मनोहर श्याम जोशी 18. हिन्दी विज्ञापन की भाषा, आशा पाण्डेय, ब्लेकी एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., दिल्ली	
	Suggested continuous evaluation methods : लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	






Dean
Faculty of Humanities
Maa Vaidyavashini University, Mirzapur